नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मध्य प्रदेश भाजपा में बदलाव की बयार

छह वर्ष के अंतराल के बाद, मध्य प्रदेश भाजपा संगठन में हुआ बदलाव न केवल एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, बल्कि यह पार्टी के भीतर आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रणनीति का भी संकेत है. विष्णु दत्त शर्मा के सफल कार्यकाल के बाद, हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर सौंपना, नेतृत्व परिवर्तन की इस कड़ी में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है. यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी को आगामी चुनौतियों के लिए खुद को और अधिक सुदृढ़ करना है. इस सुदृढ़ीकरण में संयम, समन्वय और संगठन की शक्ति का मंत्र सर्वोपरि है.

इसमें कोई दो राय नहीं कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जड़ें गहरी और मजबूत हैं. यह सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार परिवार है, जिसने दशकों के अथक परिश्रम से अपने संगठन को राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाया है. कार्यकर्ताओं की निष्ठा, वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और जनता से सीधा जुड़ाव ही भाजपा की असली ताकत रही है. यही कारण है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भाजपा मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रही है और कई बार सत्ता के शीर्ष पर भी विराजमान हुई है. हालांकि, हाल के दिनों में जिला और मंडल स्तर के कुछ भाजपा नेताओं की बदजुबानी और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठने लगे हैं. कभी सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी, तो कभी सार्वजनिक मंचों पर अनावश्यक बयानबाजी, ये घटनाएं न केवल पार्टी की छवि को धूमिल करती हैं, बल्कि संगठन के अनुशासन और गंभीरता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती हैं. यह समझना आवश्यक है कि प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता पार्टी का जनता के बीच चेहरा होते हैं. उनके शब्द और कृत्य सीधे तौर पर पार्टी की विचारधारा और संस्कृति को दर्शाते हैं.

इस संदर्भ में, नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करने की होगी कि निचले स्तर तक अनुशासन और मर्यादा का पालन हो. यह सिर्फ नसीहत देने का मामला नहीं, बल्कि एक ऐसी कार्यप्रणाली स्थापित करने का है जहां कार्यकर्ताओं को अपनी भूमिका और जिम्मेदारी का स्पष्ट भान हो. उन्हें यह समझना होगा कि पार्टी का सम्मान सर्वोपरि है और व्यक्तिगत अहंकार या तात्कालिक लोकप्रियता के लिए संगठन की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता. संगठन की मजबूती का मतलब केवल पदाधिकारियों की नियुक्ति नहीं होता, बल्कि उसका अर्थ कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल, विचारों का आदान-प्रदान और सामूहिक लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता भी होता है. नए नेतृत्व को सभी स्तरों पर संवाद को बढ़ावा देना होगा, ताकि किसी भी तरह की गलतफहमी या आंतरिक कलह को पनपने से पहले ही समाप्त किया जा सके. पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं के अनुभव का लाभ उठाना और युवा शक्ति को उचित मंच प्रदान करना भी संगठन को नई ऊर्जा देगा.

मध्य प्रदेश भाजपा को अपनी इस अविजित संगठन शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखना होगा. यह शक्ति केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि जनकल्याण के कार्यों को गति देने और राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में यह अपेक्षा की जाती है कि वे संगठन को नई दिशा देंगे, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पार्टी का हर सदस्य अपनी वाणी और कर्म से भाजपा के मूल्यों और सिद्धांतों का सच्चा प्रतिनिधित्व करे. संयम, समन्वय और संगठन की शक्ति का यह त्रि सूत्रीय मंत्र ही मध्य प्रदेश भाजपा को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और अपने गौरवशाली इतिहास को दोहराने में सक्षम बनाएगा.

मालवा- निमाड़ की डायरी

क्या गुल खिलाएंगे गौतम के सज्जन पर तीर

संजय व्यास

केपी कालेज के पदाधिकारी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष, सेवादल अध्यक्ष, एलडरमैन, प्रदेश महामंत्री रहे कांग्रेस नेता प्रयास गौतम देवास में पार्टी की बदहाली से चिंतित हो अब खुद ने स्थिति परिवर्तन के लिए शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद की दावेदारी पेश की है.

विगत दिनों सृजन अभियान के तहत देवास संगठन के पदाधिकारी चयन के लिए आए पर्यवेक्षक मुरारी लाल मीणा के समक्ष उन्होंने अपनी दावेदारी जताई. बताया जाता है कि प्रयास गौतम ने उन्हें लम्बे समय से देवास विधान सभा, नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की हो रही हार के कारण गिनाए. प्रयास गौतम ने यहां लगातार हार के लिए परोक्ष रूप से सज्जन सिंह वर्मा को आड़े हाथ लिया. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नगर इकाई पर सालों से वर्मा समर्थक राजानी काबिज हैं और चुनाव के मौके पर उनके सहित सारे नेता, यहां तक कि पार्षद तक देवास को लावारिस छोड़ अपने राजनीतिक गुरु सज्जन वर्मा के चुनाव क्षेत्र सोनकच्छ प्रचार के लिए पहुंचते रहे है. अब ऐसा नहीं हो इसलिए शहर अध्यक्ष के लिए मैदान में हैं. खैर नामों का पैनल लेकर पर्यवेक्षक जा चुके हैं और दूसरी तरफ कानुगोलू की समिति भी छानबीन के लिए सक्रिय रही. प्रयास के सज्जन पर चलाए तीर क्या गुल खिलाते हैं, समिति व पर्यवेक्षक दिल्ली आलाकमान को किसकी अनुशंसा करते हैं, समय बताएगा.

छबि पर बट्टा लगते देख भडक़े मंत्री

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान गृह क्षेत्र अलीराजपुर में अपनी छबि पर बट्टा लगते देख स्वयं सेवी समूह और सेल्समैनों पर भडक़ गए. दरअसल राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतें उन्हें मिली थी. इसका जिम्मा समूह और सेल्समैनों के पास है.

मौसम को देखते हुए सरकार ने एक साथ तीन माह का राशन वितरण का आदेश दिया हुआ है, पर कई वितरणकर्ता तीन माह की जगह दो माह का राशन देकर टरका रहे थे. इससे लोगों में इस धोखाधड़ी की ओर ध्यान नहीं दिए जाने को लेकर मंत्रीजी के प्रति गुस्सा था. अब जानकारी उनके संज्ञान में आने के बाद नागर सिंह चौहान ने जिम्मेदारों को लताड़ के साथ मामले की जांच कलेक्टर अभय अरविंद बेड़ेकर को सौंप दी है.

बुरहानपुर के समग्र विकास में बाधक अतिक्रमण

अंचल का एतिहासिक नगर बुरहानपुर में समयानुसार कोई खास बदलाव नहीं आया. नगरवासी विकास की बाट जोह रहे हैं. हालांकि विधायक-सांसद निरंतर विकास के लिए प्रयासरत हैं. तालाब , सडक़ के कार्यों में करोड़ों की राशि का प्रदेश सरकार द्वारा आवंटन किया जाना क्षेत्र के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा. सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल द्वारा भी लगभग 9 करोड़ की लागत से मोहना संगम पर नवीन घाट का निर्माण एवं सौंदर्यकरण कराया जा रहा है. नगर निगम बुरहानपुर द्वारा नगरीय क्षेत्र में सडक़, सीवेज, नालों का व्यवस्थित संधारण की योजनाएं आकार ले रही हैं, लेकिन विकास का स्वरूप नजर नहीं आ रहा. इसका सबसे बड़ा कारण अतिक्रमण है. अतिक्रमण सबसे बड़ी समस्या के रूप में बुरहानपुर के समग्र विकास में बाधक दिखाई दे रहा है. बुरहानपुर को विकास योजना 2047 बनाए जाने और उसमें क्षेत्र की गलियां, सडक़ें, चौराहों का उन्नयन होना जरूरी है. इसके लिए सर्वप्रथम नगर को अतिक्रमण मुक्त करने कि दिशा में नगर वासियों को ही पहल कर प्रशासन को सहयोग देना होगा.

शिक्षा, लेनदेन, निर्माण जैसे हर क्षेत्र में

डिजिटल इंडिया का गौरवशाली दशक

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था. जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया. जहां दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया. जब नीयत सही होती है. तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है. जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है. यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ. 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी. कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं. आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है. शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है.

97 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे. आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है. 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है. भारत का 5G रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं. हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुंच चुका है. इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने यूपीआई जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है. विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं.

सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक MSMEs और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है. ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है. GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है. इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है. कल्पना कीजिए, आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं. आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है. आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं. आप तद्रूपर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं. ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं. बनारसी बुनकरों से लेकर नगालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं.

स्टार्टअप पावर और आत्मनिर्भर भारत

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 18 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं. लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है. भारत में युवाओं के बीच AI स्किल्स और AI टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है. .1.2 बिलियन इंडिया AI मिशन के तहत भारत ने 34,000 GPUs की पहुंच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है $1 से भी कम प्रति GPU Hour. इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है.

- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

धोनी 'कैप्टन कूल' तो विराट 'किंग कोहली'

पहले डिक्शनरी में कूल का एकमात्र अर्थ ठंडा होता था, लेकिन जबसे स्लैंग भाषा चल पड़ी है अर्थ बदल गए हैं. यदि कोई आपसे कहे कि आई एम कूल तो इसका मतलब है- मुझे फर्क नहीं पड़ता. मैं इन चीजों से बेपरवाह हूं. यदि कोई उत्तेजित हो तो उसे समझाते हुए कह सकते हैं- कूल बेबी कूल ! महेंद्र सिंह धोनी को कितने ही वर्षों से कैप्टन कूल कहा जा रहा है. वे विपरीत परिस्थितियों में भी आपा नहीं खोते. अपनी पर्सनल बॉन्डिंग और विशिष्ट पहचान कानूनी तौर पर सुरक्षित रखने के लिए धोनी ने कैप्टन कूल नाम पर हक जताते हुए ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की अर्जी दी जो मंजूर हो गई. इसे शीघ्र ही कानूनी रूप मिल जाएगा. धोनी ने अपने कमर्शियल हितों का ध्यान रखते हुए सही कदम उठाया. विराट कोहली खुद के लिए किंग कोहली का ट्रेड मार्क हासिल कर लें. खेलप्रेमियों ने सचिन तेंदुलकर को मास्टर ब्लास्टर, दिलीप वेंगसरकर को कर्नल, कपिल देव को हरियाणा एक्सप्रेस कहा था. राहुल द्रविड को दि वॉल इसलिए कहते थे, क्योंकि वह दीवार की तरह डटे रहते थे और उन्हें कोई क्लीन बोल्ड नहीं कर पाता था. सुनील गावस्कर सनी कहलाते हैं और हरभजन सिंह को भज्जीपुकारा जाता है. इन सभी ने अपने लिए ट्रेडमार्क नहीं मांगा. धोनी ने दलील दी कि कैप्टन कूल नाम उनसे जुड़ा है. यह सिर्फ उपनाम नहीं, उनकी कमर्शियल पहचान बन चुका है. यदि फिल्मी सितारे चाहें तो वह भी अपने नाम से जुड़े संबोधन का ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन करवा लें. पहले भी दिलीपकुमार ट्रेजेडी किंग या थेस्पियन कहलाते थे. देव आनंद को लेकर सदाबहार या एवरग्रीन विशेषण लगाया जाता था. अशोककुमार दादामुनि कहलाते थे. विश्वजीत को चॉकलेट हीरो, धर्मेंद्र को ही-मैन, मनोजकुमार को भारत कुमार कहा जाता रहा. जीतेंद्र जंपिंग जैक कहलाते थे. राजकपूर ने जीनत अमान को जीनी बेबी कहा था. करिश्मा कपूर और करीना कपूर का घरेलू नाम क्रमश: बेबो और लोलो है. अमिताभ बच्चन सदी के महानायक या स्टार ऑफ द मिलेनियम कहलाते हैं. उनका खानदानी सरनेम श्रीवास्तव था, जिसे अमिताभ के पिता हरिवंशराय ने त्याग दिया. उन्होंने बच्चन लिखना शुरू किया, तो अगली पीढ़ियों में भी बच्चन चल पड़ा. जया बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन. इस बच्चन नाम का भी ट्रेडमार्क हासिल कर लिया जाना चाहिए, वरना कोई भी इस्तेमाल कर लेगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

देश में क्यों पनपता भाषा विवाद अपनी पसंद के लिए सभी आजाद

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हमारे मन में विचार आता है कि तुलसी, मीरा, सूरदास और कबीरदास की रचनाएं पढ़ें. हरिवंशराय बच्चन की मधुशाला में अपने मन को डुबोएं.

हमने कहा, अपने मन की करने के पहले मनसे की राय जान लीजिए. महाराष्ट्र में रहकर हिंदी के प्रति प्रेम जताना कुछ ऐसा ही है जैसे पानी में रहकर मगर से बैर करना! आप अंग्रेजी में शेक्सपीयर, बायरन, मिल्टन, शेली, वर्डसवर्थ, टामस हार्डी को पढ़िए, किसी को आपत्ति नहीं है लेकिन तीसरी भाषा हिंदी से लगाव मत रखिए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रयासों में कमी नहीं की. मोदी-शाह की केंद्र सरकार की नीतियों के अनुरूप चलते हुए उन्होंने शुरूआत में पहली से पांचवीं तक हिंदी को अनिवार्य किया. फिर विरोध होने पर हिंदी को वैकल्पिक कर दिया लेकिन जब कुंभ मेले में बिछड़े हुए भाइयों के समान उद्धव और राज ठाकरे हिंदी विरोध के मुद्दे पर एकसाथ आ गए तो फडणवीस ने बैकफुट

पर जाते हुए दोनों जीआर या शासकीय आदेश वापस ले लिए. महाराष्ट्र में मराठी को ही अपनाना होगा.

हमने कहा, एएसईआर रिपोर्ट 2024 (ग्रामीण) के मुताबिक कक्षा 3 के केवल 37 प्रतिशत छात्र मराठी की दूसरी कक्षा की पुस्तक पढ़ पाते हैं, जबकि 63 प्रतिशत बच्चे नहीं पढ़ पाते. ऐसा है महाराष्ट्र में मराठी शिक्षा का स्तर ! मराठी शालाएं बंद हो रही हैं. मराठी भाषी खुद अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम से पढ़ा रहे हैं. हिंदी का विरोध करने वाले नेता पहले मराठी की दुर्दशा तो दूर करें.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, भारत की राजनीति क्षेत्रवाद, भाषावाद जैसे भावनात्मक मुद्दों पर चलती है. इसे लेकर नेता अपना उल्लू सीधा करते हैं. दक्षिण-उत्तर की राजनीति इसी तरह चलाई जाती है. तमिलनाडु और कर्नाटक भी तो हिंदी का विरोध करते हैं.

हमने कहा, कोई कितना भी हिंदी विरोध करे लेकिन हिंदी फिल्में और हिंदी गाने सभी पसंद करते हैं. दुर्गा खोटे, शोभना समर्थ, ललिता पवार, लीला चिटणीस, शशिकला, नूतन, तनूजा, तनूजा, माधुरी दीक्षित सभी की मातृभाषा मराठी होने पर भी उन्होंने हिंदी फिल्मों से नाम कमाया. उन्हें किसी ने हिंदी प्रेम के लिए मना नहीं किया.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11951

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	■	5	
6		■	7				■
	■	8			■	9	
10	11	■		■	12		■
■	13	14		15	■	16	17
18			■	19	20	■	
21		■	22			■	
■	23				■	24	

बाएं से दाएं

1. मन में होने वाला वैमनस्य 5. जुए का दांव या अड्डा, माल बेचने का स्थान 6. हस्त, कंधे से पंजे तक का भाग 7. समस्या, बाधा, अटकाव, गिरह 8. नम्रता का, प्रणति, प्रार्थना 9. कर्तव्य (उर्दू) 10. एक देवयोनि जिसके राजा कुबेर हैं 12. पक्षियों के एक ओर के परों का समूह 13. द्रवत्व, तरलाई 16. शब्द, संगीत 18. पिघला हुआ, जो द्रव हो गया हो 19. लक्ष्मी, पत्नी 21. उरस्थल, बैल 22. पुनर्विचार प्रार्थना, निवेदन (अं.) 23. वह वन जो तपस्वियों के रहने अथवा तपस्या करने के योग्य हो 24. खेत में उपजने के लिए बीज बिखेरना, किसी बात का सूत्रपात करना

ऊपर से नीचे

1. बड़े डीलडौल वाला, स्थूल शरीर वाला 2. नाक में पहनने का एक गहना 3. बड़े-बड़े नगरों में नगरपालिका की ओर से बनाया जाने वाला सार्वजनिक भवन जिसमें नागरिक सभाएं करते हैं (अं) 4. मंडप, घेरा, चूड़ी 5. फन-फन शब्द करना 11. लहूलुहान 14. लिप्त, लीन 15. एक प्रकार का तेल जो चीड़ के पेड़ से निकलता है 17. गरजना, जोर से डराने वाली आवाज में बोलना, चिल्ला-चिल्लाकर रोना 18. तरल, गीला, गला या पिघला हुआ 20. सामग्री, सामान, धन संपत्ति 22. एक उपसर्ग जो निश्चय-अनादर-हीनता-अवनति, दोष-व्याप्ति आदि का भाव प्रकट करता है

Solution 11950

न	ग	ध	र	■	के	श	व
र	■	म	द	न	■	म	य
के	ल	क	■	व	द	न	■
स	■	ना	म	धा	री	■	ह
री	ता	■	न	भ	■	गु	म
■	ज	न	■	क्ति	■	ल	स
त	पो	व	न	■	उ	■	फ
व	शी	■	म	हि	षा	सु	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में बैचारिक अशांति रहेगी, सत्संग से मन आध्यात्मिक शांति का अनुभव होगा, संतोष बना रहेगा, व्यवसायिक तनाव रहेगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक चिन्ता का कारण रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों की नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय शांतिपूर्ण रहेगा, मिथुनऔर कन्या राशि के व्यक्तियों को सामाजिक मित्रों के कार्यो में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्र के सहयोग से पद परिवर्तन होगा, कर्क राशि के व्यक्तियोंको उत्तम सफलता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये योजना साकार होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को निजी पुरूषार्थ का लाभ मिलेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक की शिक्षा के प्रति लगन रहेगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. मित्रों की संख्या सीमित होगी. कला और संगीत के प्रति रूचि रखेगा. माता पिता को सुखी रखेगा. जन्मस्थान से दूर रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

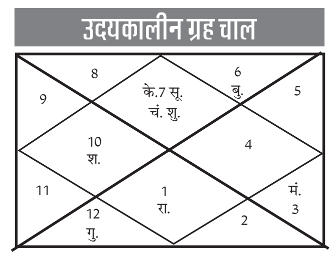

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 आषाढ़ शुक्ल अष्टमीं गुरूवासरे दिन 2/42, हस्त नक्षत्रे दिन 3/18, परिघ योगे रात 8/36, वव करणे सू.उ. 5/14 सू.अ. 6/46, चन्द्रचार कन्या रातअंत 4/30 से तुला, शु.रा. 6, 8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

आषाढ़ शुक्ल अष्टमीं को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड़ रूई कपास, खल बिनौला गेहूँ, जौ, चना, बारदाना, में नरमीं रहेगी. वायदा विचार आज पिछले सोमवार के बने भाव पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2580 है.

मेष- सामाजिक जीवन में मान सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का योग है. आशा से अधिक खर्च होगा. मानसिक अशांति रहेगी. अनिश्चितता रहेगी.

वृषभ- बीती बातोंको याद करने से गतिरोध बढ़ सकता है. राजकीय कार्य बनेंगे. मन: स्थिति संतुलित रहेगी. व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी.

मिथुन- दबाव में फैसला लेने की बजाय टाल दें. रास्ता निकल आयेगा. कारोबारी यात्रा होगी. नौकरी संबंधी कार्यो में सफलता मिलेगी. प्रतिष्ठितजनों का सहयोग होगा.

कर्क- लापरवाही छोड़कर कार्य पर ध्यान दें, मित्रों से किया गया वादा पूरा करने में नाकाम रहेंगे. समय के स्वरूप को देखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

सिंह- कानूनी मामलों में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर कार्य करें. लाभ होगा. अनावश्यक खर्च को टालें. परिश्रम एवं दौड़धूप अधिक होगी.

कन्या- कार्यक्षेत्र में परिचय का लाभ मिलेगा. वैचारिक मतभेद दूर होने के आसार हैं. पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहेगा. मांगलिक कार्य बनेगा.

तुला- भावुकता में लियेगये फैसले बदलना पड़ सकते हैं. विरोधी साजिश में फसाने की कोशिश करेगा. यश मिलेगा. सुख सौहार्द की प्राप्ती होगी.

वृश्चिक- दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ता जायेगा. दौड़धूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. संतान सुख मिलेगा. सभी काम बनेंगे. अनावश्यक विवादों को टालें.

धनु- युवाओं को कैरियर की तलाश रहेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता मिलेगी. दिनचर्या अच्छी रहेगी. पुराना कोई कार्य करने से प्रसन्नता होगी.

मकर- सुख सुविधा पर खर्च होगा. तनाव के कारण काम में मन नहीं लगेगा. नौकर चाकरों एवं अधिनस्थ वर्ग का सहयोग मिलेगा. प्रियजनों का समाचार मिलेगा.

कुम्भ- विवादास्पद मामले बातचीत से सुलझा लेंगे, अध्ययन में सफलता मिलेगी. आर्थिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी. मित्रों का सहयोग मिलेगा.

मीन- जल्दबाजी में लिये फैसले बदलना पड़ सकते हैं, सहकर्मी नीचा दिखाने का प्रयास करेगा. कुछ जरूरी काम बनेंगे, जिससे खुशी होगी. योजना का क्रियान्वयन होगा.

SUDOKU 7083

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7082

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3